

وجیشور جنتری



AVAILABLE AT :

SRI NAGAR (KASHMIR)
Vijayshwar Jyotish Karalaya
Bij Bihara.
KASHMIR PRINTING PRESS
Tehsil Road, Anant Nag.

DELHI
DEHATI PUSTAK BHANDAR
Chawri Bazar, Delhi-110006
Tel No. 261080

NEW DELHI
Shri K. N. JALA
Pamposh Enclave, New Delhi
Tel. : 645299

JAMMU
NAND LAL & SONS, Book Sellers
Pakka Danga
BHASIN STATIONERY STORE
City Chowk
GUPTA STATIONERY
City Chowk

विजयेश्वर जन्त्री के सम्पादक



ज्योतिषी प्रेमनाथ शास्त्री



ॐ विघ्नेश्वराय नमः

ॐ स्वस्ति श्रीगणेशाय नमः ॥ [illegible]

[illegible]

अमुद्रि संवत्। [illegible]

विक्रम संवत्। [illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible] मल्ल [illegible]

[illegible]

मल्लश [illegible]

[illegible]

[illegible] सिद्धु:

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible] मल्ल [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

विक्रमसंवत [illegible]

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible] संवत् [illegible]
[illegible] संवत् [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

शक संवत् [illegible]

विक्रम संवत् [illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible] संवत् [illegible]

बिक्रम संवत् [illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

श्री संवत् [illegible]

[illegible] संवत् [illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

सप्तर्षि संवत् [illegible]

विक्रम संवत् [illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

विक्रम संवत् [illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

संवत् [illegible]

[illegible]	০	১৫	৩০	৪৫	৬০	৭৫	৯০	১০৫	১২০	১৩৫	১৫০	১৬৫	১৮০	১৯৫	২১০	২২৫	২৪০	২৫৫	২৭০	২৮৫	৩০০	৩১৫	৩৩০	৩৪৫
	৫	৪	৪	৪	৪	৫	৫	৫	৫	৬	৬	৬	৭	৭	৭	৩	৩	৮	৯	৯	৯	১০	১০	১০
	১	২৫	২৩	২৪	২৫	০	৬	১৩	২১	০	৯	১৯	০	১১	২১	২	১৪	২৫	৬	১৮	২৯	১১	২৩	৪
	৫২	৫৭	৪	২০	৩২	৪৩	২৪	৪৭	৪১	৩২	৫৭	৫২	১২	৪৯	৪৭	৫৪	৬	২৫	৪৬	১১	৪০	৮	৩৯	১৪
	১৩	৭	৪০	১৫	৩৬	১৬	৬	৪১	১	৩৭	২৭	৭	৬	৪৩	১১	২৮	২৭	৪১	৩৯	৫৫	৪৫	৫৮	৩৩	৩
	২৯	১৩	৩	২	২	২২	২২	৩১	৩১	৩৮	৩৩	৪২	৪২	৪৫	৪৫	৪৬	৪৭	৪৭	৪৭	৪৮	৪৩	৪৭	৪৩	৪৮
	৪৭ ×	২৩ ×	২২ ×	৫০	৫০	২	২	৩৮	৩৩	১৪	১৪	২৬	২৬	২৬	২৬	১৪	১৪	১৪	২৬	২	২	৫০	২৬	২০

৩৬০	৩৭৫	৩৯০	[illegible]	০	৫	১০	১৫	২০	২৫	৩০	৩৫	৪০	৪৫	৫০	৫৫	৬০	৬৫	৭০	৭৫	৮০	৮৫	৯০	৯৫
১১	১১	০		[illegible]	১১	১১	১১	০	০	০	০	১	১	১	১	০	০	০	০	১	১	১	১
১৫	২৭	৩		২৮	৭	১৬	৩৫	৪	১২	১৯	২৬	১	৪	৫	৩	২৮	৩৫	২৪	২৬	০	৫	১২	২০
৪৬	১৩	৩৪		২৪	৪৫	৫৯	৫২	২৫	২৯	৪৬	১৯	২৭	৪০	২১	১২	৫৭	২৪	২৫	৩৭	৮	৫৭	৪৩	২৬
১১	৪১	৪০		৫১	২৪	১১	৮	২২	৪৩	৫৭	১৩	৭	১	৪৬	৩৫	২৬	৫৭	২৪	৩৫	৮	৩০	২	৫৬
৪৭	৪৩	৪৬		১·১	১·২	১·৫	১·১	২৫	৩৭	৭৮	৬৩	৪৩	১৫	১৫	৩৫	৪৩	১৫	১৫	৪৩	৬৩	৭৮	৮৭	৯৬
৭৩	২	১৪		২০	৩	৩	৩২	৩৮	৫৬	২০	৫৬	৩২	৫৬	১৬ ×	৫৫ ×	৪৭ ×	১৬ ×	৫৬ ×	৩২	৫৬	২০	৫৬	২০

১০	১০৫	১১০	১১৫	১২০	১২৫	১৩০	১৩৫	১৪০	১৪৫	১৫০	১৫৫	১৬০	১৬৫	১৭০	১৭৫	১৮০	১৮৫	১৯০	১৯৫	২০	২০৫	২১০	২১৫	২২০
১	২	২	২	৩	৩	৩	৪	৪	৪	৪	৪	৫	৫	৫	৪	৪	৪	৪	৪	৫	৫	৫	৫	৫
৩৮	৭	১৬	২৫	৪	১৪	৩৩	১	৯	১৭	৩৩	২৯	২	৪	৩	২৯	২৫	২২	২৩	২৫	০	৬	১৩	২০	২৯
৩৯	৪০	২৩	৪০	৫৩	১০	৭	৩৯	৪৭	১০	৩৫	৩	৫০	১৮	৩	১৯	৩৯	৪৩	৬	৫৬	৩৭	৪৬	৪২	১৮	৩০
৭৩	৩৭	৫০	৩৫	৪৪	৩৬	৩	১	৫৯	১২	২	৫৭	৫৫	৩	২৩	১০	২৭	১৭	৪৬	২৭	৩৫	২	২১	৫৮	১৫
১·১	১·৪	১·৭	১১·	১·৯	১·৭	১·২	২৯	৯৩	৩৪	৭৫	৫৯	৩৯	১১	২০	৫৪	৫৪	২০	১০	৩৬	৭৩	৩০	৩৯	৯৫	১৩
৩২	৩০	৮	৩০	৮	৫৬	৪৪	৮	৮	৪৪	৮	৫৬	২২	৫৬	৫২ ×	২২ ×	৩৩ ×	৫২	২০	৪৪	৪৪	৫০	৫৬	৫৬	৪৪

২২৫	২৩০	২৩৫	২৪০	২৪৫	২৫০	২৫৫	২৬০	২৬৫	২৭০	২৭৫	২৮০	২৮৫	২৯০	২৯৫	৩০০	৩০৫	৩১০	৩১৫	৩২০	৩২৫	৩৩০	৩৩৫	৩[illegible]
[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]

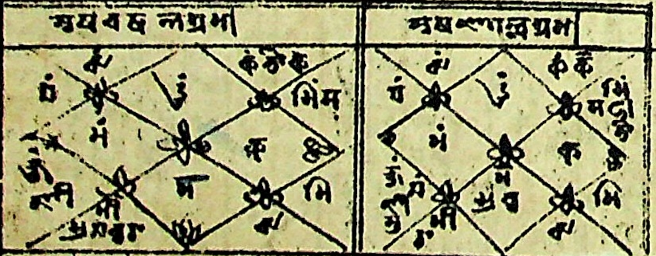
মধ্য [illegible]

[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]		[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]		[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]

[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]		[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]		[illegible]			[illegible]			[illegible]			[illegible]			[illegible]

[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
[illegible]			[illegible]			[illegible]				[illegible]			[illegible]	

[illegible]



प्राचीन मन्त्र, यन्त्र, तन्त्र, जादू व सामुद्रिक ग्रन्थ



सकल पदारथ है जग माही । भाग्यहीन नर पावत नाहीं ॥



असली, प्राचीन, हस्तलिखित ग्रन्थ

भृगुसंहिता महाशास्त्र (भा०टी०)

● प्राचीनकाल में जब कि आज की भांति छपाई आदि का प्रचलन नहीं था, हमारे ऋषियों-मुनियों ने ग्रन्थों की रचना करके अपनी शिष्य-परम्परा के अनुसार उन्हें अक्षरशः स्मरण कराकर इस ज्ञान भण्डार को आगे बढ़ाया था। तत्पश्चात् ताड वृक्ष के पत्तों तथा भोजपत्र आदि पर इन ग्रन्थों को लिखा गया। बाद के कालखण्ड में विधर्मियों तथा आतंकवादियों ने इन ग्रन्थों को नष्ट करने का सामूहिक तथा योजनाबद्ध प्रयास किया। इसका परिणाम यह हुआ कि सर्वांगीण पूर्ण ग्रन्थ दुष्प्राप्य हो गये। यदि कहीं कोई ग्रन्थ बचा तो उसके भी खण्ड-खण्ड हो गये अथवा विदेशी उठाकर ले गये। ऐसे ही दुर्लभ ग्रन्थों में "भृगुसंहिता महाशास्त्र" की गणना होती है, जिसका केवल नाम सुना था। कहा जाता है, किसी समय भृगु ऋषि द्वारा विष्णु भगवान की छाती में लात मारी जाने पर लक्ष्मी जी ने श्राप दिया था कि ब्राह्मण सदा निर्धन रहेंगे। तब भृगु जी ने लक्ष्मी जी से कहा था—"मैं एक ऐसा ग्रन्थ रचूंगा कि जिस किसी के पास यह महाग्रन्थ (भृगुसंहिता) होगा, लक्ष्मी सर्वदा उसका चरण-चुम्बन करेगी।"

● अनेक अल्पज्ञ पंडित "भृगुसंहिता महाशास्त्र" के असली होने में सन्देह करते हैं। यह ग्रन्थ प्राचीनकाल से श्रवणगोचर होता रहा है। कुछ पंडित एवं ज्योतिषी जिनके पास हस्तलिखित ग्रन्थ का कुछ भाग पाया जाता है, वे कई पीढ़ियों से ग्रन्थ को दिखा सुनाकर जनता से उनकी कुण्डली का फलादेश बताकर **21/-** (इक्कीस रुपये) से **551/-** (पांच सौ इक्यावन) रुपये अथवा मुंह-मांगी दक्षिणा तक ले लेते हैं। श्री भृगुऋषि रचित "भृगुसंहिता" जैसा भूत, भविष्य वर्तमान का पूर्ण विवरण बताने वाला महाग्रन्थ आज तक देखा न गया था, हां नाम ही सुना था। ● इस ग्रन्थ को भाग्यवान ही प्राप्त कर सकता है।

● संसार में कुछ भी असम्भव नहीं है। अनेक वर्षों तक अनथक परिश्रम तथा हजारों रुपया खर्च करके, कुण्डली के आधार पर भूत, भविष्य, वर्तमान का फलादेश बताने वाला हस्तलिखित "भृगुसंहिता महाशास्त्र" तैयार है।

20×30/6 (पुराण साइज), खुले पत्राकार, हस्तलिखित **1,410** पृष्ठ, **14** खण्डों में सम्पूर्ण, ऑफसेट प्रिंट। इस विशाल ग्रन्थ में अगणित कुण्डली दी गई है। इस महाशास्त्र में वर्णित विधि-अनुसार संसार के किसी भी व्यक्ति की जन्म-कुण्डली का फलादेश आसानी से ज्ञात हो जाता है। संस्कृत के श्लोकों के साथ-साथ हिन्दी टीका इस ग्रन्थ की विशेषता है। सर्व जनोपयोगी इस विशाल ग्रन्थ की न्योछावर **501/-** (पांच सौ एक रुपये) है। ग्रन्थ सीमित संख्या में छपा है। अतः आज ही **51/-** M.O. द्वारा भेजकर बाकी **450/-** (चार सौ पचास) रुपये की वी० पी० पी० द्वारा घर बैठे ग्रन्थ प्राप्त करें।

देहाती पुस्तक भण्डार

चावड़ी बाजार, दिल्ली-६

Price : Rs. 5-00